सांध्य दैनिक 4PM

आकाश की तरफ देखिये। हम अकेले नहीं हैं। सारा ब्रह्मांड हमारे लिए अनुकूल है और जो हम सपने देखते हैं और मेहनत करते हैं उन्हें प्रतिफल देने की साजिश करता है। -डॉ. अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 200 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 26 अगस्त, 2023

एक ओर स्वर्ण की तैयारी में 'गोल्डन... 7 | लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा... 3 | अल्पसंख्यक छात्र को थप्पड़ मरवाने... 2

सियासी गलियारों तक पहुंची छात्र पर पड़े थप्पड़ों की गूंज

- कांग्रेस और ओवैसी ने योगी सरकार को घेरा
- राहुल ने कहा- बीजेपी के फैलाये केरोसिन ने देश के कोने-कोने में लगा रखी है आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के मुजफ्फरनगर जिले के एक स्कूल से सामने आए छात्र की पिटाई के वीडियो पर सियासत काफी गर्म हो गई है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक प्राइवेट स्कूल की टीचर क्लास में एक बच्चे को बाकी बच्चों से पिटवा रही है। लेकिन इस मामले ने तूल तब पकड़ा जब पता चला कि जिस बच्चे की पिटाई हो रही है वो मुस्लिम है। बस फिर क्या था, इस जानकारी के सामने आने के बाद ही

इस वीडियो को लेकर सियासत शुरू हो गई है। मुस्लिम छात्र पर पड़े थप्पड़ों की गूंज अब हर राजनीतिक दल तक पहुंच गई है और सभी इसको लेकर यूपी सरकार पर हमलावर हैं और शिक्षिका के बर्खास्तगी की बात कर रहे हैं।

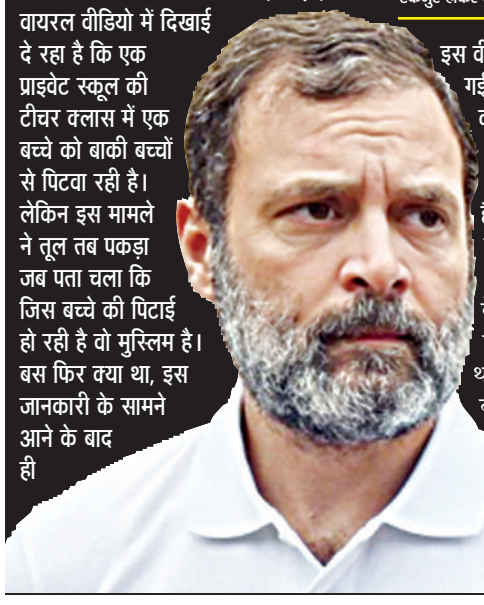

वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि टीचर क्लास में एक बच्चे को बाकी बच्चों से थप्पड़ लगवा रही है। कई बच्चे बारी-बारी से उठकर आते हैं वहां खड़े एक बच्चे को थप्पड़ मारते हैं। इतना ही नहीं टीचर बाकी बच्चों से ये तक कह रही है कि जोर से थप्पड़ क्यों नहीं मार रहे। घटना के सामने आने के बाद कांग्रेस से लेकर एआईएमआईएम और आरएलडी ने भी यूपी सरकार और भाजपा पर हमला बोला है। हालांकि, अभी तक भाजपा या सरकार की तरफ से इस पर कोई बयान सामने नहीं आया है। लेकिन छात्र के अल्पसंख्यक होने के कारण इस मामले पर राजनीति पूरी तरह से हावी है। वहीं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने भी इस वीडियो के सामने आने के बाद मामले का संज्ञान लिया है।

ये भाजपा की फैलाई नफरत : राहुल

इस मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा कि मासूम बच्चों के मन में भेदभाव का जहर घोलना, स्कूल जैसे पवित्र स्थान को नफरत का बाजार बनाना। एक शिक्षक देश के लिए इससे बुरा कुछ नहीं कर सकता। ये बीजेपी का फैलाया वही केरोसिन है जिसने भारत के कोने-कोने में आग लगा रखी है। बच्चे भारत का भविष्य हैं उनको नफरत नहीं, हम सबको मिल कर मोहब्बत सिखानी है। वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस मामले पर कहा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कैसा क्लासरूम, कैसा समाज देना चाहते हैं? नफरत तरक्की की सबसे बड़ी दुश्मन है। हमें एकजुट होकर इस नफरत के खिलाफ बोलना होगा।

टीचर के खिलाफ दर्ज कराया मामला : पिता

अब पीड़ित छात्र के पिता का बड़ा बयान सामने आया है। टीवी9 भारतवर्ष से खास बात करते हुए पीड़ित छात्र के पिता ने कहा कि टीचर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है, लेकिन हम ये नहीं चाहते कि गांव में हिंदू-मुस्लिम का कोई माहौल बने। धर्म की वजह से मेरे बच्चे की पिटाई नहीं हुई है, लेकिन इस तरह से बच्चे को पीटना सही नहीं है। साथ ही पीड़ित छात्र के पिता ने कहा कि हम टीचर के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं, ताकि आगे किसी बच्चे के साथ ऐसा अत्याचार न हो। वहीं आरोपी शिक्षिका तृप्ति त्यागी का कहना है कि वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। यह किसी रंजिश में नहीं किया। दिव्यांग हूं, कुर्सी से नहीं उठा जा रहा था, इस वजह से बच्चों से पिटाई करा दी।

पुलिस सुनिश्चित करे बच्चे की शिक्षा बाधित न हो : जयंत

आरएलडी चीफ जयंत चौधरी ने भी इस घटना की निंदा करते हुए ट्वीट किया कि मुजफ्फरनगर के स्कूल का वीडियो एक दर्दनाक चेतावनी है कि कैसे गहरी जड़ें जमा चुके धार्मिक विभाजन हाशिये पर पड़े अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा को भड़का सकते हैं। मुजफ्फरनगर के हमारे विधायक यह सुनिश्चित करेंगे कि यूपी पुलिस स्वतः मामला दर्ज करे और बच्चे की शिक्षा बाधित न हो।

जो हुआ वो योगी सरकार की नफरती सोच का परिणाम : ओवैसी

एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रदेश की योगी सरकार पर हमला बोलते हुए सीएम योगी से सवाल किया कि बुलडोजर और ठोक दो का क्या हुआ? ओवैसी ने वीडियो शेयर करते हुए योगी सरकार को निशाने पर लेते हुए लिखा कि ये वीडियो उत्तर प्रदेश का है। टीचर एक मुसलमान बच्चे को क्लास के बाकी बच्चों से पिटवा रही है और इस पर फक्र भी कर रही है। बच्चे के पिता ने उसे स्कूल से निकाल दिया। पिता का मानना है कि उन्हें इंसाफ की कोई उम्मीद नहीं हैं और उन्हें डर है कि माहौल खराब हो जाएगा। ओवैसी ने साफ कहा कि इस बच्चे के साथ जो हुआ है, उसके जिम्मेदार योगी आदित्यनाथ और उनकी नफरती सोच है।

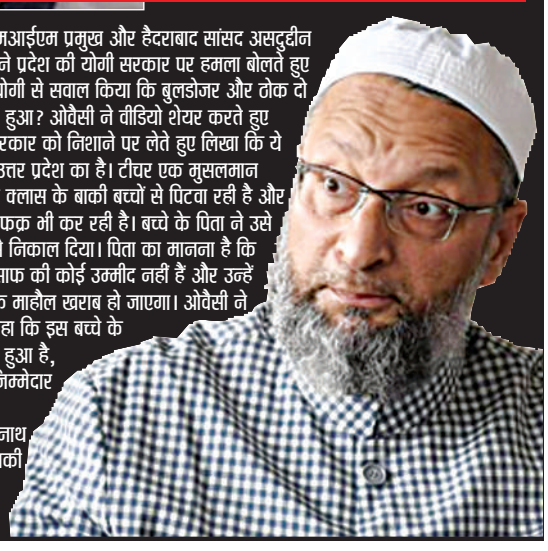

चंद्रयान सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी मानवता की सफलता : पीएम मोदी

अब हर साल 23 अगस्त को मनाया जाएगा 'नेशनल स्पेस डे'

- इसरो के कमांड सेंटर में चंद्रयान की पूरी टीम से मिले प्रधानमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह बेंगलुरु स्थित इसरो के कमांड सेंटर पहुंचे। जहां उन्होंने चंद्रयान-3 के वैज्ञानिकों से मुलाकात की और उन्हें संबोधित भी किया। वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आपकी मेहनत, आपके धैर्य को सैल्यूट। पीएम मोदी ने कहा कि यह आज का भारत है, जुझारू भारत। यहां उन्होंने 3 घोषणाएं भी कीं।

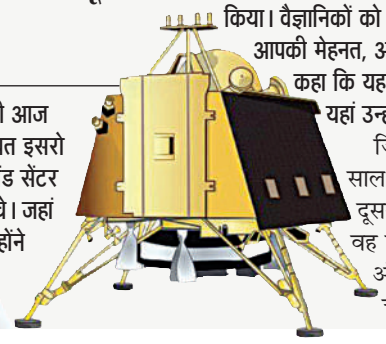

जिसमें पहली, 23 अगस्त को हर साल भारत नेशनल स्पेस डे मनाएगा। दूसरी, चांद पर लैंडर जिस जगह उतरा, वह जगह शिव-शक्ति पॉइंट कहलाएगी और तीसरी, चांद पर जिस जगह चंद्रयान-2 के पद चिन्ह हैं, उस पॉइंट का नाम 'तिरंगा' होगा। 45 मिनट के भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं खुश हूं। ऐसे पल दुर्लभ होते हैं।

'शिव-शक्ति' के नाम से जानी जाएगी वो जगह जहां लैंड हुआ चंद्रयान-3

पीएम मोदी ने कहा कि चांद पर जिस जगह चंद्रयान-3 मिशन लैंड हुआ, उस पॉइंट को अब 'शिव-शक्ति' के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-2 मिशन के स्पॉट को अब से 'तिरंगा पॉइंट' के नाम से जाना जाएगा। ये तिरंगा पॉइंट, भारत के हर प्रयास की प्रेरणा बनेगी। पीएम ने कहा कि आप देश को जिस ऊंचाई पर लेकर गए, ये कोई साधारण सफलता नहीं। अनंत अंतरिक्ष में भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य का शंखनाद है। इंडिया इज ऑन द मून, वी हैव अवर नेशनल प्राइड प्लेस्ड ऑन मून। हम वहां पहुंचे जहां कोई नहीं पहुंचा था। हमने वो किया जो पहले कभी किसी ने नहीं किया था।

अल्पसंख्यक छात्र को थप्पड़ मरवाने वाली शिक्षिका हो बर्खास्त : अखिलेश

» मुजफ्फरनगर के एक स्कूल का है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने मुजफ्फरनगर जिले की उस शिक्षिका को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की, जिसने अपने छात्रों को अल्पसंख्यक समुदाय के एक छात्र को कथित तौर पर थप्पड़ मारने के लिए कहा था। सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कथित वीडियो को सपा ने 'एक्स' पर साझा करते हुए यह मांग उठाई, जिसे पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पुनः पोस्टो किया।

'एक्स' (ट्वीटर) पर सपा ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वायंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा और आरएसएस की नफरती राजनीति, देश को यहां ले आई। मुजफ्फरनगर में एक अध्यापिका अल्पसंख्यक समाज के बच्चे को दूसरे बच्चों से थप्पड़ मरवा रही। मासूमों के मन में जहर घोलने वाली शिक्षिका को तुरंत बर्खास्तग किया जाए। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

घोसी उपचुनाव में सपा ने झोंकी ताकत

समाजवादी पार्टी ने घोसी विधानसभा उपचुनाव जीतने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, राष्ट्रीय महासचिव रामअचल राजभर, लालजी वर्मा व इन्द्रजीत सरोज घोसी में डट गए हैं। पार्टी ने सभी बड़े नेताओं को दो से तीन दिन यहां रहकर चुनावी जनसभाएं करने के निर्देश दिए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव भी मतदान से पहले दो या तीन सितंबर को यहां चुनावी जनसभाएं कर साइकिल के पक्ष में माहौल बनाएंगे। दारा सिंह सपा छोड़कर भाजपा में फिर से चले गए हैं। भाजपा ने उन्हें इसी सीट से उपचुनाव में टिकट दिया है। सपा इस सीट को गंवाना नहीं चाहती है, इसलिए उसने अपने बड़े नेताओं को यहां उतार दिया है। पिछड़ी जातियों के जनाधार वाले नेताओं को भी यहां लगा दिया गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल है वीडियो

छात्र की पिटाई का कथित वीडियो मुजफ्फरनगर जिले के मंसूरपुर थाना क्षेत्र के खुब्बापुर स्थित गांव के एक स्कूल का बताया जा रहा है। आरोप है कि दूसरी कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र की शुक्रवार को उसकी कक्षा के अन्य छात्रों ने पिटाई कर दी और अध्यापिका के निर्देश पर उसे एक के बाद एक थप्पड़ मारे। यह भी आरोप है कि वीडियो में एक समुदाय विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी रविशंकर ने शुक्रवार को बताया था कि वीडियो की जांच से प्रथम दृष्टया यह बात सामने आई है कि स्कूल का काम पूरा न करने पर छात्र की पिटाई की गई थी और इसमें कोई भी आपत्तिजनक बात नहीं कही गई है।

लंबे समय से ड्यूटी से गैरहाजिर डॉक्टर बर्खास्त

» उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर काफी सजग रहते हैं। हालांकि, इसके बाद भी प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में अक्सर लापरवाही के मामले सामने आते रहते हैं। लेकिन फिर भी प्रदेश में लंबे समय से गैरहाजिर चिकित्सकों की बर्खास्तगी का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर ड्यूटी में लापरवाही बरतने और लंबे समय से गैरहाजिर गाजीपुर के नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोरखा में तैनात डॉ. भास्कर कुमार को बर्खास्त किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को गैरहाजिर चिकित्सकों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। ब्रजेश पाठक का कहना है कि गैरहाजिर चिकित्सकों की वजह से विभाग में पद फंसे हुए हैं, इनके स्थान पर नए चिकित्सकों की भर्ती भी नहीं हो पा रही है। लिहाजा ऐसे लापरवाह डॉक्टरों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अनुशासनहीनता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि डिप्टी सीएम व सीएम योगी प्रदेश के बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के लिए अक्सर प्रयासरत रहते हैं। इसी क्रम में दोनों ही लोगों को अस्पतालों में औचक निरीक्षण में देखा जाता रहा है। लेकिन लापरवाही फिर भी जारी है।

गांधी परिवार ने हमेशा की योगी-मोदी राज की आलोचना : स्मृति

» केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर भी बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। केंद्रीय मंत्री व अमेठी से सांसद स्मृति ईरानी ने गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी का अधिकार है, वो कहीं से भी लड़ें। दो जगह से चुनाव लड़ने के प्रश्न पर स्मृति ईरानी ने कहा कि भागने का इतिहास मेरा नहीं राहुल गांधी का रहा है। उन्होंने कहा कि अमेठी में गांधी परिवार ने हमेशा मोदी व योगी की सरकार विरोध किया है। मोदी-योगी राज में अमेठी लोकसभा क्षेत्र साढ़े सात लाख लोगों को मुफ्त का अनाज मिलता है।

क्या गांधी परिवार को लगता है कि

अमेठी का गरीब परिवार मुफ्त का अनाज छोड़ देगा सिर्फ इसलिए कि गांधी परिवार पनप सके। क्या गांधी परिवार को लगता है कि पांच लाख किसान अपना छह हजार रुपये सालाना छोड़ देगा, 90 हजार परिवार अपना घर त्याग देंगे कि गांधी परिवार का घर बस सके।

प्रदेश कार्यकारिणी से कांग्रेस साधेगी लोस चुनाव!

» सितंबर में हो सकती है घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के नए अध्यक्ष अजय राय के पदभार ग्रहण करने के बाद अब प्रदेश की नई कार्यकारिणी के गठन पर भी चर्चा तेज हो गई है। अजय राय ने कल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ पहली बैठक भी की। जिसके बाद ऐसी संभावनाएं जताई जा रही हैं कि सितंबर माह के दूसरे सप्ताह में नई कार्यकारिणी की घोषणा की जा सकती है। जिसमें छह उपाध्यक्ष शामिल होंगे। नई कार्यकारिणी में अनुभवी पदाधिकारियों के साथ युवा व नए चेहरों को भी स्थान मिलेगा। साथ ही पार्टी पदाधिकारियों के चयन में जातीय संतुलन साधने का प्रयास करेगी।

माना जा रहा है कि अध्यक्ष के पद पर सवर्ण अजय राय की नियुक्ति के बाद

संगठन के विस्तार में अन्य जातियों को ध्यान में रखकर पदाधिकारियों का चयन होगा। पदभार ग्रहण करने के बाद अजय राय ने जिस तरह सत्तारु दल पर हमला बोलने के साथ ही कार्यकर्ताओं के साथ सड़क पर उतरने की बात कही थी। उससे यही अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी की सक्रीयता बढ़ाने के लिए युवा कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जाएगा। यह भी देखना होगा कि पार्टी पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, योगेश दीक्षित, अनिल यादव व वीरेन्द्र चौधरी को क्या नया दायित्व देती है।

अमरमणि जैसे गंभीर अपराधियों को रिहा करना गलत : अजय राय

कवयित्री मधुमिता हत्याकांड में पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी की रिहाई के आदेश पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जघन्य अपराध में शामिल लोगों को रिहा नहीं किया जाना चाहिए। इससे समाज में गलत संदेश जाएगा। मैं इस कदम की निंदा करता हूं। अजय राय ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा लगाने वाली पार्टी महिलाओं के खिलाफ अपराध में शामिल लोगों को रिहा कर रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

धनखड़ ने विधायिका की निराशाजनक स्थिति पर जताया अफसोस

न्यायपालिका और कार्यपालिका कर रहीं बेहतर काम

» भारत की न्याय प्रणाली बहुत मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने विधायिका में निराशाजनक स्थिति के लिए अफसोस जताया है। धनखड़ का मानना है कि जहां न्यायपालिका और कार्यपालिका बेहतरी के लिए जरूरत से ज्यादा काम कर रही हैं, वहीं विधायिका में स्थिति निराशाजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में लोगों को राजनीति करने के सभी अधिकार हैं, लेकिन जब देश के विकास की बात आती है तो राजनेताओं को पार्टी लाइनों से ऊपर उठना चाहिए।

नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के 25वें वार्षिक दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि भारत की न्याय प्रणाली बहुत मजबूत है और यह सर्वश्रेष्ठ स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हमारी कार्यकारिणी काम कर रही है। हमारे पास सड़कें, रेलवे, प्रौद्योगिकी की पहुंच है, हमारे पास विश्व स्तरीय संरचनाएं हैं। लेकिन जब विधायिका, आपके प्रतिनिधियों की बात आती है, तो दृश्य निराशाजनक है। राज्यसभा के सभापति के रूप में मैं बहस, संवाद और चर्चा नहीं देखता। मुझे व्यवधान दिखता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि उन्हें एक ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां जो लोग काम करते हैं, जो अपना काम सही साबित करते हैं, जो संवैधानिक उम्मीदों पर खरे उतरते हैं, उनकी सराहना की जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को उन लोगों के खिलाफ बोलना होगा, जो अपने जनादेश को पूरा करने में विफल रहते हैं।

पारदर्शिता और जवाबदेही शासन की पहचान

राज्यसभा सभापति ने कहा कि आप उच्चतम न्यायालय की स्थिति जानते हैं, आप खुश हैं कि चाहे जो भी कठिनाई हो, हमारा उच्चतम न्यायालय देश के हित में काम करता है। कार्यपालिका आपके लिए उपलब्धियां हासिल करने के लिए तत्पर है। विधायिका क्यों विफल हो? इस पर ध्यान दें। शासन के मुद्दे का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की सत्ता के गलियारे कभी सत्ता के दलालों और बिचौलियों से भरे हुए थे। उन्होंने कहा कि सत्ता के उन गलियारों को साफ किया गया है। सत्ता के दलालों की संस्था मर चुकी है, यह कभी पुनर्जीवित नहीं हो सकती। धनख? ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही शासन की पहचान है। उन्होंने कहा, यह सब एक अच्छे कारण से हो रहा है। भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं है।

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के हाथ लगे कांग्रेसी 'मणि'

» कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने राम मंदिर और पाकिस्तान को लेकर दिए बेतुके बयान

» पूर्व पीएम नरसिम्हा राव को बताया भाजपा का प्रधानमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 का लोकसभा चुनाव हर बीतते दिन के साथ करीब आता जा रहा है। यही वजह है कि इसको लेकर सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक सभी दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। एक ओर जहां पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए जीत की हैट्रिक लगाने का प्रयास कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों ने मिलकर इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने का प्रण किया है। जिसके तहत वो भाजपा का डटकर मुकाबला कर सकें और भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकें। कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी संगठन इंडिया अपनी तैयारियों में जुटा है और पटना व बेंगलूरू के बाद अब मुंबई में इस संगठन की अगली बैठक भी होनी तय हुई है। यानी कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष इस बार भाजपा को सत्ता से बाहर करने का प्लान बना रहा है। लेकिन इस बीच एक ओर जहां कांग्रेस के सामने नरेंद्र मोदी और भाजपा चुनौती बनकर खड़े हैं, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के अपने ही उसके लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं और भाजपा को मौका दे रहे हैं।

2019 में पीएम मोदी को नीच कहकर भाजपा व मोदी का भला करने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर एक बार फिर 2024 का चुनाव करीब आता देख अपनी पुरानी फॉर्म में वापस लौट आए हैं। वहीं अगर कांग्रेस की दृष्टि से देखें तो चुनाव करीब आता देख एक बार फिर मणिशंकर अय्यर का जिन्न बाहर आ गया है। जो कि कहीं न कहीं कांग्रेस को नुकसान और भाजपा को फायदा पहुंचाने का काम करता है।

दरअसल, जिस समय कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर हैं और उन पर निशाना साध रहे हैं। लेकिन इस बीच कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी ही पार्टी और अपने ही नेताओं के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया है। दरअसल, अभी कुछ दिन पहले ही कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की आत्मकथा मेमोयर्स ऑफ ए मेवरिक - द फर्स्ट फिफ्टी इयर्स (1941-1991) लॉन्च हुई थी। अपनी पुस्तक के औपचारिक विमोचन पर अय्यर ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ अपने संबंधों से लेकर दिसंबर 1978 से जनवरी 1982 में कराची में महावाणिज्य दूत के रूप में उनके कार्यकाल तक का जिक्र किया था। इसी दौरान मणिशंकर अय्यर ने कुछ ऐसे बयान भी दे दिए जो कांग्रेस के लिए अपने पैर पर ही कुल्हाड़ी मारने के समान हो गए। क्योंकि जाहिर है कि भाजपा ऐसे कोई मौके नहीं छोड़ती जहां वो कांग्रेस को न घेर सके। तो वहीं भाजपा तिल का ताड़ बनाने में भी काफी माहिर है।

पाकिस्तान के लोग भारत को दुश्मन नहीं मानते : अय्यर

इतना ही नहीं आगे मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान पर भी अपनी बात कही। पाकिस्तान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की वकालत करते हुए राजनयिक से नेता बने मणिशंकर अय्यर ने कहा कि भारत तब तक दुनिया में अपना उचित स्थान नहीं ले पाएगा, जब तक उसका पड़ोसी गले की फांस बना रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में भारत की सबसे बड़ी संपत्ति वहां के लोग हैं जो इसे दुश्मन देश नहीं मानते। जहां तक पाकिस्तान के लोगों का सवाल है, वे न तो दुश्मन देश हैं और न ही वे भारत को दुश्मन देश मानते हैं।

राम मंदिर का ताला खुलवाना गलत था

विमोचन के समय जब अय्यर से बाबरी मस्जिद मुद्दे से निपटने में राजीव गांधी की आलोचना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मैं समदर्शी हूं, मुझे लगता है कि शिलान्यास गलत था। मुझे लगता है कि राजीव गांधी ने ये सबसे बड़ी गलती की थी। यानी मणिशंकर अय्यर ने राजीव गांधी द्वारा राममंदिर का ताला खुलवाने को ही गलत बता दिया। इतना ही नहीं अय्यर ने पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव को भाजपा का प्रधानमंत्री बताया और साथ ही उन्हें सांप्रदायिक नेता भी कहा। अय्यर ने कहा कि उन्हें बाद में पता चला कि पी वी नरसिम्हा राव कितने सांप्रदायिक थे। अय्यर ने राव के साथ उस समय हुई बातचीत का जिक्र किया जब वह राम-रहीम यात्रा निकाल रहे थे। कांग्रेस नेता अय्यर ने बताया कि नरसिम्हा राव ने मुझसे कहा था कि उन्हें मेरी यात्रा पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वह धर्मनिरपेक्षता की मेरी परिभाषा से असहमत थे। मैंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता की मेरी परिभाषा में क्या गलत है, तो उन्होंने कहा कि मणि तुम यह नहीं समझते कि यह एक हिंदू देश है। मैं अपनी कुर्सी पर बैठ गया और कहा कि भाजपा बिल्कुल यही कहती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के पहले प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी नहीं थे, बल्कि बीजेपी के पहले प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव थे।

राजीव गांधी पर नहीं था अय्यर को विश्वास

मणिशंकर अय्यर ने यह भी कहा कि जब अचानक यह घोषणा की गई कि राजीव गांधी प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, तो उन्हें आश्चर्य हुआ कि एक व्यक्ति जो इंडियन एयरलाइंस का पायलट था, वह देश कैसे चलाएगा। अय्यर ने कहा कि मेरी समस्या ये थी कि मैं राजीव गांधी का विश्वासपात्र नहीं था। मुझे लगता है कि वह सोचते थे कि मैं राजनीतिक रूप से अनुभवहीन हूं, उन्होंने कभी मुझसे किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर मेरी सलाह नहीं ली।

इससे पहले कई मौकों पर अय्यर लगा चुके हैं कांग्रेस की लंका

वैसे ये पहला मौका नहीं है जब अय्यर ने कुछ ऐसा बोला है जिसको लेकर भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हुई हो और निश्चित है कि उसका फायदा भी चुनाव में भाजपा को ही मिलता है। 2014 के लोकसभा चुनाव के वक्त अय्यर ने मोदी को 'चायवाला' कहा था और इस नाम से बीजेपी को बहुत बड़ा फायदा हुआ। कांग्रेस नेता अय्यर ने कहा था कि मोदी कांग्रेस दफ्तर के बाहर चाय बेचें। वह चायवाला क्या प्रधानमंत्री बनेगा! इसी के अलावा गुजरात चुनाव में पीएम मोदी को 'नीच किस्म का आदमी' बताया। बाद में भाजपा और पीएम मोदी ने इस बयान का गुजरात विधानसभा चुनाव के साथ-साथ 2019 के लोकसभा चुनाव में भी जमकर फायदा उठाया था। इसी के साथ जम्मू-कश्मीर से जुड़ी समस्याओं को लेकर भी कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने एक बयान दिया था और इस बयान की वजह से धारा-370 को खत्म करने वाले केंद्र की सत्ता पर काबिज बीजेपी सरकार को बड़ा फायदा हुआ। इसके अलावा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने एक बयान दिया था और इस बयान की वजह से कांग्रेस को नुकसान तो बीजेपी भी फायदा हुआ। ऐसे में अब अय्यर ने एक बार फिर 2024 के चुनाव से पहले ऐसा बोल दिया है कि भाजपा इसको लेकर 2024 के चुनाव में जाएगी।

भाजपा ने बोला मणिशंकर पर हमला

अय्यर ने ये सभी बातें 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कही हैं। अब राम मंदिर से लेकर पाकिस्तान तक के मामले पर मणिशंकर अय्यर ने कई बातें ऐसी कह दी हैं जिनका फायदा भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में जरूर उठाना चाहेगी। क्योंकि अय्यर के ऐसा कहते ही भाजपा ने कांग्रेस और अय्यर पर हमला बोलना शुरू कर दिया। भाजपा ने हमला बोलते हुए कहा कि वो गांधी परिवार के सबसे नजदीकी, गांधी परिवार के मुकुट के मणि हैं। ये वही गांधी परिवार के मुकुट मणि मणिशंकर अय्यर हैं जिसने पीएम मोदी को नीच कहा था। पाकिस्तान में नरेंद्र मोदी को हराने की बात कही है। 2024 का चुनाव है और एक बार फिर से मुकुट मणि बाहर हैं। इस बार उन्होंने किताब लिख डाली है। पीवी नरसिम्हा राव कांग्रेस के पीएम थे और जिस तरह के शब्द उनके लिए इस्तेमाल किए गए उससे साफ पता चलता है कि गांधी परिवार के प्रवक्ता को गांधी परिवार के अलावा किसी और का प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं है, भले ही वह शख्स कांग्रेस पार्टी से ही क्यों न हो।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शरद पवार की नई गुगली से 'इंडिया' में बेचैनी

महाराष्ट्र की सियासत में मची हलचल अभी थमने का नाम ही नहीं ले रही है। दरअसल, जबसे चाचा से अलग होकर अजित पवार महाराष्ट्र की भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल हुए हैं और प्रदेश के डिप्टी सीएम बने हैं, तबसे कोई ये समझ ही नहीं पा रहा है कि शरद पवार के दिमाग में क्या चल रहा है। क्योंकि कभी वो अजित पवार को धोखेबाज और दगाबाज कहते हैं, तो कभी अजित पवार को अपने घर का हिस्सा मानते हैं। ऐसे में कोई भी ये समझ नहीं पा रहा है कि आखिर शरद पवार के दिमाग में क्या चल रहा है और एनसीपी के अंदर कौनसी खिचड़ी पक रही है। तो वहीं एनसीपी की इस उथल-पुथल में सबसे ज्यादा चिंतित अगर कोई है तो वो हैं विपक्षी संगठन इंडिया के लोग। क्योंकि ये तय ही नहीं हो पा रहा है कि आखिर शरद पवार करना क्या चाहते हैं। क्योंकि पिछले दिनों जब अजित पवार शरद पवार से मिले थे और दोनों के बीच एक लंबी वार्ता चली थी। उसके बाद ये कयास लगाए जाने लगे थे कि शरद पवार को भाजपा की तरफ से केंद्रीय मंत्री का पद ऑफर हुआ है और वो इंडिया का साथ छोड़कर एनडीए का दामन थाम सकते हैं।

इन खबरों के बीच शरद पवार और सुप्रिया सुले दोनों ने सामने आकर ये साफ किया था कि उन्हें किसी भी तरह का कोई ऑफर नहीं मिला है और न ही वो इंडिया का साथ छोड़कर कहीं जा रहे हैं। लेकिन उसके बाद अब पिछले दो दिनों से एक बार फिर शरद पवार ने नई गुगली फेंकी है। पहले शरद पवार की बेटी और एनसीपी की लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा था कि पार्टी में कोई टूट नहीं है। अजित दादा ने अलग रुख अपनाया है। अभी एक दिन भी नहीं बीता था कि एनसीपी चीफ शरद पवार ने भी बेटी के ही शब्दों को दोहराते हुए कहा कि एनसीपी में किसी भी तरह का विभाजन नहीं हुआ है। सीनियर पवार ने साफ कहा कि अजित पवार उनकी पार्टी के ही नेता हैं। उन्होंने कहा कि कोई पार्टी तब टूटती है, जब पार्टी का एक बड़ा रुप राष्ट्रीय स्तर पर अलग होता है। एनसीपी में ऐसा कुछ नहीं हुआ। सीनियर पवार ने कहा कि कुछ नेताओं ने अलग राजनीतिक स्टैंड लिया। लोकतंत्र में उन्हें इसका अधिकार है। अजित हमारी पार्टी के नेता हैं। यानी एक बार फिर राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार ने एक नई गुगली फेंकी है। सबसे खास बात ये है कि शरद पवार और सुप्रिया सुले के ये बयान ऐसे वक्त में आए हैं जब एक हफ्ते में विपक्षी संगठन इंडिया की तीसरी बैठक मुंबई में ही होनी है। जिसकी मेजबानी शरद पवार और उद्धव ठाकरे को ही करनी है। ऐसे में बैठक से एक दिन पहले शरद पवार का अजित पवार को अपनी पार्टी का नेता कहना और एनसीपी में किसी भी तरह की टूट से साफ इंकार करना काफी बड़े इशारे करता है।

संजय

कभी अजित पवार शरद पवार पर हमलावर होते हैं, तो कभी वो ही अजित पवार घंटों चाचा जान के साथ गुप्त बैठक करते हैं। ऐसे में कोई भी ये समझ नहीं पा रहा है कि आखिर शरद पवार के दिमाग में क्या चल रहा है और एनसीपी के अंदर कौनसी खिचड़ी पक रही है। तो वहीं एनसीपी की इस उथल-पुथल में सबसे ज्यादा चिंतित अगर कोई है तो वो हैं विपक्षी संगठन इंडिया के लोग।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुनहरे सपनों के लिए परदेस मोह के द्वंद्व

गुरबचन जगत

पिछले कुछ वक्त से मेरे जहन में पंजाब से युवाओं के विदेशों की ओर हो रहे पलायन पर मंथन चलता रहता था। कई मर्तबा सोचकर अवसाद होता तो कई बार प्रसन्नता महसूस होती, तो कई बार दिमाग सुन्न हो जाता है। क्या यह पंजाब के लिए अच्छा है? क्या उनके परिवारों के लिए बेहतर है? इनके उत्तर अलग-अलग होने की वजह से ये सवाल तंग करते रहे। फिर एक दिन, मेरा एक दोस्त लन्दन से आया, लंबे अर्से के बाद हम मिले। हमने अन्य मित्रों के बारे में बात की, जिनमें कुछ लन्दन में हैं, कुछ यहां तो कुछ इहलोक के बाद अगली यात्रा पर निकल चुके हैं। अतीत की यादें, जो कुछ खुशनुमा तो कुछ उदासजदा, मन की तिजोरी में सहेज कर रखी गयी। जल्द ही हमारी बातचीत का विषय पंजाब से हो रहे पलायन पर आ गया और उन्होंने वहां पहुंचने की आपबीती पहली बार सुनाई।

वे अमृतसर जिले के एक गांव से ताल्लुक रखते हैं, जोकि ब्यास शहर के पास है। परिवार खेती करता है और उनके दादा जी के चार बेटे थे (जिसकी उपमा पुराने जमाने में 'चार हल वगदे सन' दी जाती थी)। सबसे छोटा बेटा मेरे दोस्त के पिताजी थे। उन्हें खेत में हल चलाने की बजाय मवेशियों की देखभाल का जिम्मा दिया गया जैसे कि चारा-पानी, और अन्य जरूरतें पूरी करना। वे विदेश जाने का सपना देखा करते थे, इसके पीछे वह खत थे जो मलाया में रह रहे एक नजदीकी रिश्तेदार से आते थे। एक दिन, पशुओं के लिए सूखा चारा (तूड़ी) निकालते वक्त लोहे का पंजेनुमा औजार (कांटा) छत में लकड़ी की कड़ी (पंजाबी में 'बाला') से जा टकराया और धातु की खनक सुनाई दी। और कुरेदने पर चांदी के कुछ सिक्के गिरे, जोकि एक थैली में रखकर 'बाले'और छत के बीच की खोह में छिपाए गए थे। गिने तो पूरे 80 निकले, 1940 के दशक में यह छोटे-मोटे खजाने से कम नहीं थे। उसे लगा किस्मत ने यह मौका उसे सपना पूरा करने के लिए बख्शा है, और अगले दिन चुपचाप घर छोड़ने की ठान ली।

यहां तक कि पत्नी को भी नहीं बताया (जो गर्भवती थी) कि कहीं रोक न ले। अमृतसर-कलकत्ता के बीच हावड़ा एक्सप्रेस रेलगाड़ी उनदिनों भी चला करती थी। वह पकड़ी और जा पहुंचे कलकत्ता और एक गुरुद्वारे में रहकर मलाया जाने वाले जलयान का इंतजार करने लगे। उन दिनों अधिकांश सफर जहाज के खुले डेक पर करना पड़ता था। जहाज मलाया बंदरगाह पहुंचा, लेकिन तब तक मलाया और

सिंगापुर का शासन जापानी ब्रितानी हुकूमत से छीन चुके थे। उन्हें अपना वह रिश्तेदार तो मिला नहीं बल्कि नए हुक्मरानों की मर्जी और आदेशों के मुताबिक एक से दूसरी जगह ले जाए जाते रहे। इस तरह शुरू हुआ लगभग 10 साल लंबा संघर्ष। उन्होंने पत्नी और बच्चों को सिंगापुर बुला लिया (तब तक सिंगापुर फिर से ब्रिटिश हुकूमत के अधीन हो गया) और पहली बार अपने बेटे यानी मेरे दोस्त को देखा, जो अब 10 साल का था। परिवार अब सिंगापुर में जम गया और पंजाब से गए मेरे मित्र को दीन-दुनिया की कुछ सुध होने लगी और कुछ स्कूली शिक्षा-दीक्षा भी हुई। 1950 के दशक के आखिर में एक दिन वह भी पिता की तरह फ्रांस जाने वाले जलयान पर चढ़ा और पहुंच गया मार्सिलेस बंदरगाह, जहां से आगे कलाएस, डोवर होते हुए लन्दन। यहां भी पहले-पहल गुरुद्वारे में शरण ली। एक बुजुर्ग सिख को वे भा गए, और उन्होंने जरूरी वस्तुएं जैसे कि जैकेट, पैंट और जूते दिला दिए और फिर शुरू हुई नौकरी की तलाश। पूरी कहानी लंबी है, फिर किसी और दिन, लेकिन यहां बताना जरूरी है कि मेरे दोस्त को बहुत से छोटे-मोटे काम करने पड़े, फिर एक दिन कुश्तियों पर लगने वाले पैसे के बारे में पता चला और दांव खेलने पर अक्लमंदी से निवेश करते हुए काफी धन कमाया जिसकी बदौलत आज वे एक समृद्ध बुढ़ापा काट रहे हैं, यह खुशी है कि बच्चे बहुत पढ़-लिख गए और पोते-पोतियां भी अच्छी नौकरियों या बिजनेस में हैं। उन्होंने अपने साथ हुए भेदभाव के किस्से भी सुनाए, जैसे कि पब में या अन्य कई अदारों में दारू परोसने से मना कर दिया गया, भारतीय कामगार संघ के बारे में भी बताया, जिसने समानता की लड़ाई लड़ी।

कितने सारे किस्से, तमाम कठिनाइयां, लेकिन यूके पहुंचे इन आरंभिक अप्रवासियों की लीक पर हजारों लोग वहां पहुंचे। आज अप्रवासी पंजाबी एक विशाल, जीवंत और संपन्न समुदाय है। यह कहानी केवल एक आदमी की नहीं है जो चांदी के 80 सिक्के और बहुत कम पढ़ाई के साथ उज्ज्वल भविष्य की तलाश में अनजाने मुल्क में बसा। यह किस्सा लाखों उन पंजाबियों का है जो पूरी 20वीं सदी के दौरान और आज भी, अपना भविष्य विदेशों में ताकते हैं। चाहे यह यूके, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, इटली, ग्रीस हो या जो नाम आप लें, हर उस जगह पंजाबी मिल जाएंगे।

विदेशी ताकतों का हस्तक्षेप गंभीर चिंता का विषय

केएस तोमर

अब मणिपुर में विदेशी हस्तक्षेप की खबर के बीच केंद्र का हस्तक्षेप अपरिहार्य है। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया ने भी सीमा पार से शरारती तत्वों की घुसपैठ पर चिन्ता व्यक्त की है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पूर्व सेनाध्यक्ष के पास अवश्य ही कोई ठोस जानकारी है जिसके आधार पर उन्होंने अलगाववादी गुटों को चीन से मिल रही सहायता का आरोप लगाया है।

मणिपुर बीते तीन माह से गृहयुद्ध जैसी स्थिति से जूझ रहा है। यह स्थिति तब और भयावह हो सकती है, यदि पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवाणे के इस बयान पर ध्यान दिया जाए कि विभिन्न आतंकी गुटों को 'विदेशी ताकतें' सहायता प्रदान कर रही हैं जिस कारण मणिपुर हिंसा बढ़ी है। मणिपुर और म्यांमार की 400 किलोमीटर की साझी सीमा है और म्यांमार में इस समय राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। इसका फायदा उठाकर चीन के अलगाववादी गुटों को हथियार और धन उपलब्ध करवाने के आरोप हैं।? दरअसल कुछ गुट म्यांमार से ही अपनी गतिविधियां चलाते हैं। इतिहास गवाह है कि चीन पहले भी आतंकी संगठनों को हथियार मुहैया करवाता रहा है। विशेषज्ञ एकमत हैं कि इस विस्फोटक स्थिति से निपटने के लिए केंद्र हस्तक्षेप करे।

अब मणिपुर में विदेशी हस्तक्षेप की खबर के बीच केंद्र का हस्तक्षेप अपरिहार्य है। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया ने भी सीमा पार से शरारती तत्वों की घुसपैठ पर चिन्ता व्यक्त की है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पूर्व सेनाध्यक्ष के पास अवश्य ही कोई ठोस जानकारी है जिसके आधार पर उन्होंने अलगाववादी गुटों को चीन से मिल रही सहायता का आरोप लगाया है। यह मदद म्यांमार में सक्रिय आतंकी गुट के माध्यम से मिल रही है क्योंकि चीन मणिपुर, अरुणाचल जैसे शान्त राज्यों में अपने हित तलाशने के लिये अस्थिरता पैदा करना चाहेगा। म्यांमार के सर्वोच्च सैन्य जनरल हलिंग और अन्य उच्च सैन्य अधिकारियों ने भी आरोप लगाए हैं कि चीन म्यांमार के अराकान आर्मी और अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी जैसे आतंकी संगठनों को सहायता प्रदान कर रहा है, जो चीन की सीमा के साथ लगते पश्चिम क्षेत्र में सक्रिय हैं। सैन्य अधिकारियों ने आरोप लगाए हैं कि चीन निर्मित शस्त्र 2019 में सेना पर किए हमले में प्रयोग किए गए थे और सेना ने इन अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा पकड़ा था। जिसकी कीमत करीब 90 हजार अमेरिकी डॉलर के बीच लगाई गई थी। ये हथियार चार वर्ष पूर्व प्रतिबंधित तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों से पकड़े गए थे और इससे साफ हो गया था कि चीन आतंकी संगठनों को मदद पहुंचा रहा है।

अनुमान है कि चीन म्यांमार के सीमांत क्षेत्र का लाभ उठाकर उन आतंकी संगठनों की भरपूर मदद करेगा, जिन पर हाल के दिनों में बर्मा की सैनिक सरकार ने दबाव बढ़ाया है। क्योंकि इस समय विश्व का ध्यान रूस व यूक्रेन युद्ध पर केंद्रित है जिसका लाभ उठाकर म्यांमार के सैनिक शासक आंग सांग सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों को कुचलने के लिए बर्बरता दिखा रहे हैं। भारत तटस्थ है जिसके कारण सेना व आमजन में संघर्ष निरन्तर चल रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि म्यांमार के सैन्य शासक सत्ता छोड़ने को तैयार नहीं हैं और इस कारण मणिपुर के अलगाववादी गुटों को उनके सीमान्त क्षेत्रों से मिल रही सैन्य सहायता को अनदेखा कर रहे हैं। इस वर्ष के अंत तक राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव हैं और भाजपा के लिए अत्यंत अहम है क्योंकि पार्टी 2024 में सत्ता पर कब्जा बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस कारण मणिपुर में शांति बहाल करना पार्टी के लिए जरूरी है क्योंकि यहां डबल इंजन की सरकार है। यही मुद्दा आगामी विधानसभा चुनावों में भी अहम होगा। यदि केन्द्र विपक्ष से यह मुद्दा छीनना चाहता है तो मणिपुर में शांति बहाल करनी होगी। मणिपुर के बिगड़े हालात अब केन्द्र की एनडीए सरकार और नवगठित विपक्षी गठबंधन में सीधे टकराव का मुद्दा बन गया है। गठबंधन ने हाल ही में 21 सांसदों का दल मणिपुर के हिंसाग्रस्त हालात का जायजा लेने के लिए भेजा था। विपक्ष ने प्रधानमंत्री से जवाब को लेकर संसद में गतिरोध बनाए रखा। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में महिलाओं पर हिंसा रोकने की मांग उठा दी। खेदजनक है कि जहां राजनीतिक दल अपने फायदे की सोच रहे हैं वहीं मणिपुर में हो रही निरन्तर हिंसा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घातक है।

आम भारतीय की इस आशा को झुठलाया नहीं जा सकता है कि मणिपुर में जल्द हालात सामान्य हों। जानकारों का सुझाव है कि केन्द्र सरकार प्राथमिकता के आधार पर 163 किलोमीटर लम्बी भारत-म्यांमार सीमा पर तुरंत बाड़ लगाए ताकि आतंकवादियों के आने-जाने पर अंकुश लग सके। वहीं आतंकी इस बाड़ का विरोध कर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि आम मणिपुर के नागरिक शांति के पक्षधर हैं क्योंकि हिंसा के कारण इन समुदायों का सामाजिक और आर्थिक भाईचारा छिन्न-भिन्न हो गया है। समय की मांग है कि सत्तापक्ष और विपक्ष अपने तुच्छ राजनीतिक लक्ष्य से ऊपर उठकर देश हित के लिए इस समस्या के समाधान के लिए एकजुट हों।

अगर जल्द हो जाते हैं हर्ट तो करें ये काम

हमारे आसपास ऐसे कई लोग होते हैं, जिनको हर छोटी-बड़ी बात का बुरा लग जाता है और सबसे अजीब बात की वो भले ही आपका कोई सगा-संबंधी न हो, फिर भी उनकी बातें कुछ लोगों को लग जाती हैं। वो दिनों-दिन तक इसे लेकर टेंशन में रहते हैं। अगर आप भी इन लोगों में से एक हैं, तो डेफिनेटली आपको बहुत ज्यादा इमोशनल होने के फायदे-नुकसान पता होंगे। आज हम यहां आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर करने वाले हैं, जिन्हें आपको अपनी आदत में शुमार करना है। यकीन मानिए इससे आपकी आधी प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

जवाब देना भी जरूरी

अगर ये आपने सीख लिया, तो कोई भी ऐरा-गैरा आपको ऐसे ही कुछ बोलकर नहीं जा सकता। इमोशनल लोग कई बार दूसरों की बातों का जवाब नहीं दे पाते, जिस वजह से वो एक ही बात सोच- सोचकर परेशान होते रहते हैं, तो इसका आसान सॉल्यूशन है जवाब दें। अगर किसी की कोई बात आपको अच्छी नहीं लग रही, तो उस बात को सुनने की जगह जवाब देना सीखें। ऐसा करने से आपका कॉन्फिडेंस बढ़ता है और आप इमोशनली हर्ट होने से बचते हैं।

छोड़ दें हर किसी से उम्मीद

जब आप किसी से बहुत ज्यादा उम्मीद लगाते हैं और वो आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता, तो आपको बहुत ज्यादा हर्ट होता है, तो इसका सीधा उपाय है कि आपको अपनी ये आदत छोड़नी होगी। उम्मीद उसी से रखिए जिन्हें लेकर आप बहुत ज्यादा स्योर है। इससे आप हर्ट होने से बचेंगे।

अच्छे लोगों के साथ रहें

इसका मतलब थोड़े-बहुत अपने जैसे लोगों के ही साथ क्योंकि वो लोग आपकी भावनाओं को अच्छी तरह समझेंगे और आपको हर्ट करने करने के बारे में सोचेंगे भी नहीं। दूसरों की कमियां निकालने, बुराई करने वाले लोगों की संगति से बचें। ऐसे लोग सिर्फ नेगेटिविटी फैलाते हैं और आपको हर्ट करते हैं।

खुद की कमियों को पहचानें

किसी ने अगर आपको कोई ऐसी बात कही है, जिससे आप बहुत ज्यादा परेशान हो रहे हैं, तो उसे लेकर तनाव में आने की जगह बैठकर विचार करें कि आखिर इसकी क्या वजह हो सकती है। अगर आपके किसी नेचर को प्वाइंट आउट किया गया है, तो चिढ़ने, गुस्साने की जगह उस कमी को दूर करने पर गौर करें।

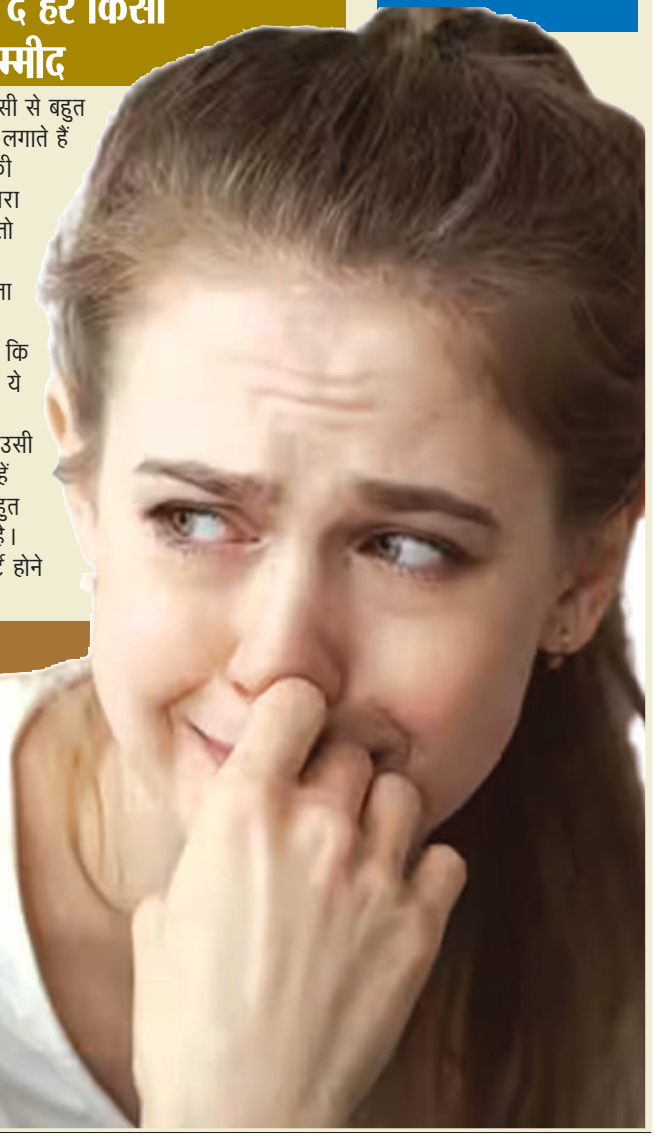

हंसना मना है

एक बार एक बिल्ली एक इंटरनेट कैफे में गई और पूछा, कृपया मुझे एक मैसेज भेजने का तरीका बताएं, मेरे पास तालाब और मछली हैं। कैफे आदमी ने जवाब दिया, क्या आपकी बिल्ली ईमेल खोल सकती है?

एक बच्चा अपने पिता से पूछता है, पापा, ये स्कूल क्या होता है? पिता ने कहा, बेटा, स्कूल वह जगह है जहां तू अपनी गेंद और दिमाग दोनों खो सकता है!

एक शराबी आधी रात को पुलिस स्टेशन पहुंचा। उसे देखकर ड्यूटी पर मौजूद इंस्पेक्टर कड़क कर बोला-इतनी शराब पीकर तुम्हें यहां पोलिश थाने आते हुवे डर नहीं लगा? शराबी बहकते हुए बोला- अच्छा मुझे पता नहीं था कि यहां भी मेरी बीवी का कोई रिश्तेदार होगा।

14 साल का विपिन सिनेमा हॉल में एक पोर्नो मूवी देखकर घर भागने लगा। गेट कीपर ने उसे रोककर पूछा-क्या बात है? तुम ऐसी बेताबी के साथ और टेंशन में क्यों भाग रहे हो? उस लड़के ने कहा- मेरी मां ने मुझसे कहा था कि तुम कोई गन्दा काम देखोगे तो पत्थर के हो जाओगे। और सच में मेरा कुछ हिस्सा पत्थर का होने लगा है। फिर क्या गेटकीपर खुद जान छुड़ा कर भागा।

कहानी | मृत्यु एक अटल सत्य है

राधेश्याम नामक युवक स्वभाव का बड़ा ही शांत एवम सुविचारों वाला व्यक्ति था। उसका छोटा सा परिवार था जिसमें उसके माता-पिता, पत्नी एवम दो बच्चे थे। सभी से वो बेहद प्यार करता था। इसके अलावा वो कृष्ण भक्त था और सभी पर दया भाव रखता था। जरूरतमंद की सेवा करता था। उसके इन्ही गुणों के कारण श्री कृष्ण उससे बहुत प्रसन्न थे और सदैव उसके साथ रहते थे। और राधेश्याम अपने कृष्ण को देख भी सकता था और बाते भी करता था। इसके बावजूद उसने कभी ईश्वर से कुछ नहीं मांगा। एक दिन राधेश्याम के पिता की तबियत अचानक खराब हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। उसने सभी डॉक्टर्स के हाथ जोड़े। अपने पिता को बचाने की मिन्नते की। लेकिन सभी ने उससे कहा कि वो ज्यादा उम्मीद नहीं दे सकते। तभी राधेश्याम को कृष्ण का ख्याल आया और उसने अपने कृष्ण को पुकारा। कृष्ण दौड़े चले आये। राधेश्याम ने कहा-मित्र! तुम तो भगवान हो मेरे पिता को बचा लो। कृष्ण ने कहा: मित्र! ये मेरे हाथों में नहीं हैं। इस पर राधेश्याम नाराज हो गया और कृष्ण से लड़ने लगा, तब भगवान कृष्ण ने उससे कहा- मित्र! मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूं लेकिन इसके लिए तुम्हे एक कार्य करना होगा। राधेश्याम ने तुरंत पूछा कैसा कार्य? कृष्ण ने कहा- तुम्हे! किसी एक घर से मुट्ठी भर ज्वार लानी होगी और ध्यान रखना होगा कि उस परिवार में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो। राधेश्याम ने कई दरवाजे खटखटायें। हर घर में ज्वार तो होती लेकिन ऐसा कोई नहीं होता जिनके परिवार में किसी की मृत्यु ना हुई हो। राधेश्याम को ऐसा एक भी घर नहीं मिला। तब उसे इस बात का अहसास हुआ कि मृत्यु एक अटल सत्य है। इसका सामना सभी को करना होता है। इससे कोई नहीं भाग सकता। और वो अपने व्यवहार के लिए कृष्ण से क्षमा मांगता हैं। थोड़े दिनों बाद राधेश्याम के पिता स्वर्ग सिधार जाते हैं। उसे दु:ख तो होता हैं लेकिन ईश्वर की दी उस सीख के कारण उसका मन शांत रहता हैं। दोस्तों इसी प्रकार हम सभी को इस सच को स्वीकार करना चाहिये कि मृत्यु एक अटल सत्य हैं उसे नकारना मुर्खता हैं।

7 अंतर खोजें

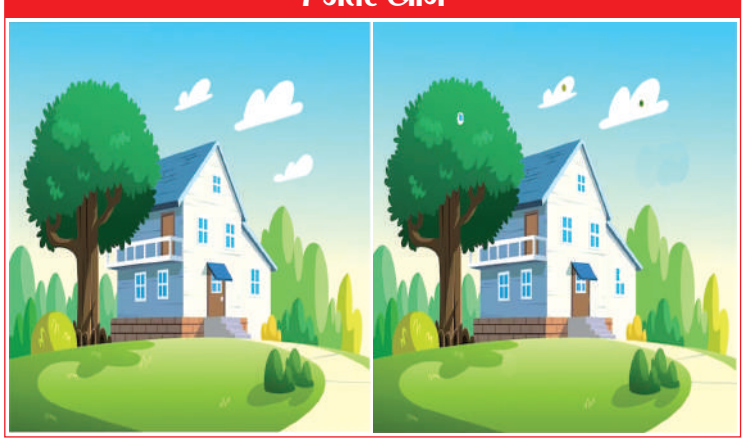

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ

परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन

भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

कर्क

जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी।

कन्या

नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं।

तुला

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक

यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

धनु

नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है।

मकर

निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी।

कुम्भ

सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन

थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

जेनेलिया की वजह से वेद का निर्देशन कर पाया : रितेश

बीते वर्ष दिसंबर में अभिनेता रितेश देशमुख की मराठी फिल्म वेद आई। इसमें अभिनय के साथ-साथ एक्टर ने इसके निर्देशन की कमान भी खुद संभाली। अब उन्होंने इसका क्रेडिट अपनी पत्नी और अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा को दिया है। रितेश का कहना है कि वेद को डायरेक्ट करने के लिए जेनेलिया ने ही उन्हें मनाया। जेनेलिया के मोटिवेशन के बिना निर्देशन का फैसला ले पाना आसान नहीं था। रितेश देशमुख ने कहा कि जेनेलिया अगर मोटिवेट नहीं करतीं तो एक एक्टर होते हुए फिल्म निर्देशन का फैसला बिल्कुल भी आसान नहीं होता। न ही यह उनके लिए संभव हो पाता। रितेश ने बताया, फिल्म के लिए मैं तीन फिल्ममेकर्स के पास गया, लेकिन तीनों बिजी थे। हमारे पास एक साल तक स्क्रिप्ट पर काम करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। फिर मैंने फिल्म निर्देशित करने का फैसला लिया। रितेश ने आगे कहा, पिछले चार पांच सालों से मैं फिल्म का निर्देशन करने के बारे में सोच रहा था, लेकिन एक एक्टर होने के नाते यह आसान फैसला नहीं था।रितेश ने कहा, फैसला लेते हुए एक दबाव महसूस हो रहा था कि हर कोई मुझे एक निर्देशक के रूप में आंकेगा। लेकिन, जेनेलिया ने मुझे इसके लिए राजी कर लिया। इस बारे में जेनेलिया ने कहा, मुझे हमेशा से पता था कि रितेश एक अच्छे निर्देशक बन सकते हैं। वह खुद भी डायरेक्शन में अपना हाथ आजमाना चाहते थे, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि कब ऐसा हो पाएगा। मैं बेहद खुश हूं कि उनके निर्देशन में बनी फिल्म में मैंने एक्टिंग की। बता दें कि वेद का हिंदी में टीवी पर प्रीमियर होने जा रहा है। यह फिल्म 27 अगस्त को स्टार गोल्ड पर देखी जा सकती है। फिल्म की कहानी एक ऐसी हाउसवाइफ की जिंदगी के इर्द-गिर्द है, जो अपने पति का प्यार पाने के लिए हर संभव कोशिश करती है।

नितेश तिवारी की रामायण से आलिया का पत्ता हुआ साफ

फिल्म रामायण का जबसे ऐलान हुआ है तब से इसको लेकर बज बना हुआ है। खबर थी कि नितेश तिवारी ने इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को राम और सीता के रोल के लिए कास्ट किया गया था। फैंस भी दोनों को फिल्म में साथ देखने को काफी एक्साइटेड थे। हालांकि अब आलिया भट्ट ने इस फिल्म से खुद को अलग कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रामायण फिल्म में आलिया भट्ट मां सीता के रोल में नहीं दिखेंगी। फिल्म की शूटिंग शुरू होने में फिलहाल लंबा समय लग सकता है। इस फिल्म के छोटे से छोटे एंगल पर बारीकी से काम किया जा रहा है फिल्म विवादों में न आए। ऐसे में आलिया के पास डेट्स कीभारी कमी हैं और उन्हें अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स के लिए भी वक्त निकालना है। व्यस्त शेड्यूल को चलते उन्होंने फिल्म को न कह दिया है।

राम के रोल में रणबीर दिखेंगे

इस फिल्म में रणबीर कपूर राम का किरदार निभाने वाले हैं। आलिया भट्ट के इस फिल्म से अलग होने की खबरे हैं, लेकिन फिल्म में रणबीर कपूर को लेकरअभी तक कोई अपडेट नहीं आया है । वहीं इस फिल्म में रावण के रोल में यश की जगह भी कोई और सितारा नजर आने वाल हैं। दर्शकों स्टारकास्ट के नाम जानने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगी आलिया

वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट ने हाल ही में 'हार्ट ऑफ स्टोन' से हॉलीवुड में डेब्यू किया है। वहीं उनकी 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' ने भी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी। इसके अलवा आलिया के पास जोया और फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म जी ले जरा भी है।

अर्जुन कपूर संग डेटिंग की खबरों को कुशा कपिला ने बताया बकवास

मलाइका अरोड़ा फिल्मों से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री अर्जुन कपूर संग अपने रिश्ते को लेकर काफी सुर्खियां बटोरती हैं। बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि कपल का ब्रेकअप हो गया है। दोनों के रिश्ते को लेकर उड़ी यह अफवाह सोशल मीडिया पर आग की तरह फैली। माना जा रहा है कि अर्जुन और मलाइका एक-दूसरे से अलग हो गए हैं।

दोनों की गिनती बी-टाउन के पॉपुलर कपल में की जाती हैं। वहीं, ब्रेकअप की खबरों पर अभी तक मलाइका और अर्जुन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मलाइका और अर्जुन की ब्रेकअप की खबरें तब शुरू हुई जब अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम हैंडल पर सोलो वेकेशन की तस्वीर शेयर की थी। इस दौरान उन्होंने क्रिप्टिक पोस्ट लिखा। उन्होंने लिखा था, जिंदगी छोटी होती है। अपने वीकेंड्स को लंबे बनाओ। हालांकि, ब्रेकअप की खबरों पर अभी तक अर्जुन और मलाइका ने रिएक्ट नहीं किया है।

इसके अलावा अर्जुन कपूर का नाम सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस कुशा कपिला से भी जोड़ा जा रहा है। वहीं, अब एक्ट्रेस ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अर्जुन कपूर संग अपनी डेट करने की खबरों पर कमेंट करते हुए कहा, रोज अपने बारे में इतनी बकवास पढ़कर मुझे अपना खुद के एक फॉर्मेट इंट्रोडक्शन करवाना पड़ेगा। हर समय मैं बकवास की बातें खुद के बारे में देखती हूं। बस दुआ करती हूं कि मेरी मम्मी न ये सब पढ़ लें। उनकी सोशल लाइफ को झटका लगेगा।

बता दें, बीते दिनों अर्जुन कपूर और कुशा कपिला डायरेक्टर करण जौहर के घर उनकी पार्टी में एक साथ नजर आए थे, जहां मलाइका अरोड़ा उनके साथ नहीं दिखीं। पार्टी का एक फोटो वायरल हुआ था, जिसमें सभी लोग कैमरे की तरफ पोज देते नजर आ रहे थे। इसके बाद ही दोनों के अफेयर की खबरें सामने आने लगीं।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे जहरीली मछली

इस मछली को सिर्फ छू लेने से इंसान की हो सकती है मौत

दुनिया में कई सी फूड लवर्स हैं। इन लोगों को समुद्री जीव खाने में काफी पसंद होते हैं। सी फूड में मछलियां, केंकड़े, स्नेल आदि शामिल है। मछली की भी कई वेरायटी होती है। हर इंसान अपने टेस्ट के अनुसार मछलियां खाना पसंद करता है। किसी को रेहू पसंद है तो कोई कतला। लेकिन क्या आप जानते हैं कि समुद्र की दुनिया में एक ऐसी मछली भी पाई जाती है जो बेहद जहरीली होती है। इस मछली को सिर्फ छू लेने से इंसान की मौत हो सकती है।

जी हां, हम बात कर रहे हैं दुनिया की सबसे जहरीली मछली की। इसका नाम है स्टोन फिश। इस मछली को ये नाम उसके लुक के कारण मिला है। इसका आकार किसी पत्थर जैसा होता है। अगर इसे छू लिया जाए तो इंसान की मौत हो सकती है। अपनी इस खासियत की वजह से ये अपने दुश्मनों से बचा रहता है। ऐसे में मछुआरों को इस बात की सलाह दी जाती है कि अगर ये मछली उन्हें नजर आए तो तुरंत इससे दूर भाग जाना चाहिए।

दुनिया की सबसे खतरनाक स्टोन फिश हर कहीं नहीं पाई जाती। ये ज्यादातर मकर रेखा के पास समुद्र में पाई जाती है। देखने में ये किसी पत्थर सी नजर आती है। इस कारण लोग इसे आसानी से देख नहीं पाते और इसका शिकार बन जाते हैं। जैसे ही इसके संपर्क में कोई जीव आता है, इसकी बॉडी से निकले जहर के असर से मारा जाता है। कोई भी जीव जब इसके ऊपर अपना पैर रखता है, तो स्टोन फिश की बॉडी से न्यूरोटोक्सिन नाम का जहर निकलता है। इसी से लोगों की मौत हो जाती है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर किसी इंसान का कोई बॉडी पार्ट इस मछली के जहर की चपेट में आ गया है तो उससे बचाव का सिर्फ एक ही तरीका है। जिस पार्ट का इस जहर से संपर्क हुआ है, उसे काटना पड़ता है। इसे दुनिया की सबसे खतरनाक मछली कहने का एक और कारण है। ये बेहद स्पीड से जहर छोड़ती है। इसे छूने के मात्र 0.5 सेकंड के अंदर ही ये जहर रिलीज करती है। साथ ही अगर किसी शहर के पीने के पानी में इस मछली की जहर का एक भी बूँद मिला दिया जाए, तो सारे शहर के लोगों की मौत हो सकती है।

भारत का सबसे रहस्यमयी किला जहां रात में गए तो लौट नहीं पाएंगे

भारत में वैसे तो कई किले हैं, जिनकी वास्तुकला और सुंदरता मन मोह लेती है। लेकिन भानगढ़ का किला सबसे भूतिया जगह के रूप में जाना जाता है। अगर कोई गलती से भी सूर्यास्त के बाद इस किले में रुक जाता है तो रात की कहानी बताने के लिए वापस नहीं आ पाता। भानगढ़ किले में भूतों का खौफ इतना ज्यादा है कि सरकार ने सूर्यास्त के बाद यहां रुकने पर पाबंदी लगा दी है। रहस्यमय होने की वजह से यह जगह कई लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती है। एडवेंचर्स करने वाले लोग एक बार जरूर इस जगह पर जाना पसंद करते हैं। कहानियों के मुताबिक, यह किला पैरानॉर्मल एक्टिविटी का केंद्र है। यहां भूत प्रेत रात के समय घूमते हुए नजर आते हैं। तेज आवाज में चीते हैं। यही वजह है कि आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने रात को यहां जाना बैन किया है। सूर्यास्त के बाद किले में प्रवेश करना बहादुरी और बेवकूफी का काम है। किस्सों के मुताबिक, गुरु बालू नाथ नाम के एक संत यहां तप करते थे। जब सम्राट माधो सिंह ने किला बनवाया तो संत ने इस शर्त पर स्वीकृति दी कि महल की छाया उनके प्रार्थना स्थल पर नहीं पड़नी चाहिए। अगर पड़ी तो सब नष्ट हो जाएगा। जब महल बनकर तैयार हुआ तो छाया संत के प्रार्थना स्थल पर पड़ गई और भानगढ़ उसी समय तहस नहस हो गया। कहा जाता है कि संत के शाप से यह किला मलबे में तब्दील हो गया और फिर इसे बसाया नहीं जा सका। मगर संत बालू नाथ का तप स्थल अभी भी खंडहर के रूप में वहां पर मौजूद है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने एक औरत के चिल्लाने, चूड़ियां तोड़ने और रोने की आवाजें सुनी हैं। अक्सर ऐसी आवाजें किले से आती रहती हैं। दिन में भी अंदर जाने वाले कई लोगों ने कहा, ऐसा लगा कि उनका पीछा किया गया। कोई पीछे से उन्हें थप्पड़ मार रहा है। यही वजह है कि सूर्यास्त के बाद किले के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। किसी के भी अंदर जाने पर पाबंदी लगा दी जाती है। हालांकि, वैज्ञानिक इस बात को नहीं मानते उनके मुताबिक, किले में ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता।

मैं कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहता ये सीएम से भी बड़ा पद: गहलोत

» राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का बड़ा बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर एक बड़ी बात कही है। गहलोत ने कहा कि हालात ऐसे बने कि मैं अध्यक्ष नहीं बन पाया।

यह 100 गुना ज्यादा अच्छा होगा और यह मुख्यमंत्री से बहुत बड़ा पद है। सीएम ने यह भी कहा कि कांग्रेस में हाईकमान ही लोगों को मुख्यमंत्री और मंत्री बनाता है। लेकिन यह सब भविष्य की बातें हैं।

यहां गहलोत ने फिर दोहराया कि सचिन पायलट को केंद्रीय मंत्री बनाने में मैंने सहयोग किया था। राजस्थान में सीएम फेस के लिए भाजपा में चेहरा नहीं होने के सवाल पर सीएम ने बोलते हुए कहा कि हमारे लिए बड़ी समस्या यह है कि वहां कोई चेहरा नहीं है। अटैक किस पर करें ? भाजपा के पास कोई चेहरा तक नहीं है। हमें अपनी अप्रोच चेंज करनी पड़ेगी। लेकिन मैं सोचता हूं कि जनता इस बार हमें फिर से मौका देने के मूड में है।

मैंने सचिन पायलट के केंद्रीय मंत्री बनने में की थी मदद

गहलोत ने बताया कि कांग्रेस हाईकमान ही सीएम और मंत्री बनाता है। सचिन पायलट के सवाल पर गहलोत ने कहा कि जब सचिन केंद्रीय मंत्री बने थे, तब मैंने सहयोग किया था। हमने राजस्थान में 20 लोकसभा सीटें जीती थीं। मुझसे पूछा गया तो मैंने सचिन पायलट का नाम सुझाया था। क्योंकि पायलट गुर्जर समुदाय से हैं और तब वसुंधरा सरकार में आंदोलनकारी गुर्जरों को गोली से भून दिया गया था। उस वक्त गुर्जर और मीणा समुदाय में तनाव था। कांग्रेस में हाईकमान ही लोगों को मुख्यमंत्री और मंत्री बनाता है। यह हमारी पार्टी का अनुशासन है और यह सब भविष्य की बातें हैं।

मेरे बारे में फैलाई गई गलत धारणा: गहलोत

सीएम गहलोत ने आगे कहा कि यह गलत धारणा है कि मैं मुख्यमंत्री बने रहना चाहता था, इसलिए पद नहीं छोड़ा और कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बना। सच्चाई क्या है सोनिया गांधी जानती हैं। मैं इस मामले की और ज्यादा गहराई में नहीं जाना चाहता। हम सब मिलकर चुनाव लड़ना चाहते हैं। हालांकि, मैं कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहूंगा, क्योंकि यह 100 गुना ज्यादा अच्छा पद है और अगर आज मौका मिलता है, तो मैं कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहूंगा। वैसे सीएम गहलोत खुद कह चुके हैं कि मेरे बयान के सियासी मायने होते हैं। मैं कोई बात बहुत सोच समझकर ही कहता हूं। अब माना जा रहा है कि सीएम ने यह बात काफी सोच विचार के बाद कही है।

नई नियमावली पर विचार कर रही प्रदेश सरकार

बुजुर्ग माता-पिता पर किया अत्याचार तो संपत्ति से हो जाएंगे बेदखल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण तथा कल्याण नियमावली-2014 में संशोधन करने पर विचार कर रही है। इससे प्रदेश में अब बूढ़े माता-पिता या वरिष्ठ नागरिकों पर अत्याचार करने पर वारिस उनकी संपत्ति से बेदखल किए जा सकते हैं। इस बारे में समाज कल्याण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रदेश सरकार प्रस्तावित संशोधनों पर महाधिवक्ता की सलाह लेकर आगे बढ़ेगी।

उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 को स्वीकार करते हुए वर्ष 2014 में नियमावली लागू की गई। राज्य सप्तम विधि आयोग ने इस नियमावली में संशोधन की सिफारिश की है। आयोग का मानना है कि यह नियमावली, केंद्रीय अधिनियम के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। अभी नियमावली के तहत बुजुर्गों का ध्यान न रखने पर प्रति माह अधिकतम 10 हजार रुपये भरण-पोषण भत्ता देने या एक माह की सजा का प्रावधान है। इसलिए सप्तम विधि आयोग ने नियमावली के नियम-22 में तीन उप-धाराएं जोड़ने की सिफारिश की है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों का ध्यान न रखने पर बच्चों या नातेदारों को उस संपत्ति से बेदखल करने के प्रावधान की बात की गई है, जिस पर वरिष्ठ नागरिकों का कानूनी अधिकार हो।

रियलमी ने 108 मेगापिक्सल कैमरे के साथ उतारी किफायती 5जी सीरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्मार्टफोन प्रदाता कंपनी 'रियलमी' ने मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर 5जी सिगमेंट में 108 मेगापिक्सल कैमरा और 5000 एमएएच की बैटरी के साथ किफायती कीमतों पर स्मार्टफोन बाजार में उतारे हैं।

रियलमी इंडिया के प्रोडक्ट मैनेजर बाजुल कोछर ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि रियलमी ने अपने स्मार्टफोन और एआईओटी पोर्टफोलियो में रियलमी 11 सीरीज 5जी और रियलमी बड्स एयर 5 सीरीज पेश किए हैं, जिनके मूल्य क्रमशः 17499 रुपये और 3699 रुपये से शुरू होते हैं। रियलमी 11 5जी अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ 108 मेगापिक्सल के मुख्य कैमरे के साथ है जिसमें 3एक्स इन-सेंसर जूम और सेगमेंट का सबसे बड़सेंसर है। इसमें 5000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी और सेगमेंट का सबसे तेज 67वॉट सुपरवूक चार्जिंग सॉल्यूशन है।

उन्होंने कहा कि इसमें 16जीबी तक के डायनामिक रैम विकल्प और 128जीबी स्टोरेज है, जिससे मल्टीटास्किंग और दैनिक काम बहुत आसान हो जाते हैं। रियलमी 11 5जी दो खूबसूरत रंगों-ग्लोरी गोल्ड और ग्लोरी ब्लैक में उपलब्ध है, और यह दो स्टोरेज वैरिएंट 8जीबी+128जीबी और 8जीबी+256जीबी में आता है। रियलमी 11एक्स 5जी में 2एक्स इन-सेंसर जूम को सपोर्ट करने वाला 64 मेगापिक्सल का कैमरा है। कोछर ने बताया कि रियलमी बड्स एयर 5 शानदार अनुभव प्रदान करते हैं, और सेगमेंट में सर्वाधिक 50डेसिबल एक्टिव नॉइज कैंसिलेशन, 4000हर्ट्ज़ अल्ट्रा-वाइड बैंड नॉइज कैंसिलेशन और 6-माइक कॉल नॉइज कैंसिलेशन के साथ आते हैं।

भारत इतिहास में कभी भी हिंदू राष्ट्र नहीं था, न भविष्य में होगा: स्वामी

» सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य का एक और विवादित बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले समाजवादी पार्टी के एमएलसी व राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर ऐसा बयान दे दिया है, जिससे बवाल खड़ा हो सकता है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज तक भारत कभी हिंदू राष्ट्र था ही नहीं। जब आज तक भारत कभी हिंदू राष्ट्र नहीं था, तो अब हिंदू राष्ट्र हो ही नहीं सकता। देश का संविधान पंथ निरपेक्ष विचारधारा पर आधारित है, जिसमें हिंदू-मुस्लिम-सिख-इसाई आपस में हैं। सब भाई-भाई की बात को संस्कृति के रूप में मानते हैं और स्वीकारते भी हैं।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव जातीय जनगणना विषयक विचार गोष्ठी में भाग लेने आए थे और मीडिया से रूबरू थे। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र की बात करेंगे तो कोई क्यों

खालिस्तान की मांग नहीं कर सकता। धर्म के नाम पर बांटने की बात दोहरा नहीं सकता। लंबी गुलामी के बाद आजादी मिली है, इसलिए देश को बांटने वालों की साजिश से सावधान रहना होगा। जूता कांड में राजभर के बयान पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जब घटना करने वाले ने खुद को भाजपा का कार्यकर्ता बता दिया है तो कौन क्या कह रहा है, इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

सपा सत्ता में आई तो कराई जाएगी जातीय जनगणना

जनगणना की बात और वादे किए जाते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद मुकर जाते हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने जातीय जनगणना की परंपरा को खत्म कर दिया है। यही वजह है कि पिछड़ों को राहत नहीं मिल पाती है। सपा सत्ता में आई तो जातीय जनगणना कराई जाएगी। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। दलितों, पिछड़ों, वंचितों का हक मारने वाली भाजपा वादा करने के बाद भी जनगणना नहीं करा रही है। इस मुद्दे को गांव-गली तक ले जाएं, तभी जातीय जनगणना होगी। यही बीपी मंडल को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। स्वामी प्रसाद डॉ. लोहिया-अंबेडकर विचार मंच उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में शुक्रवार को फिरोज गांधी महाविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में बीपी मंडल जयंती समारोह-2023 पर जातीय जनगणना विचार गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। गोष्ठी की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य डॉ. राम बहादुर वर्मा, संयोजन राजेश चंद्रा और संचालन जय चक्रवर्ती ने किया। रामसेवक वर्मा ने आभार जताया। इस मौके पर पीएल पाल, गणेश प्रसाद मौर्य, शिवराम प्रजापति, राम सिंह यादव, रामे यादव, चंद्रराज पटेल, राजेंद्र प्रताप यादव, अतुल प्रधान, रज्जू खान, राहुल निर्मल, सुनील दत्त, राजवंत सिंह, सुनील यादव, अशोक प्रियदर्शी आदि मौजूद रहे।

एक और स्वर्ण की तैयारी में 'गोल्डन बॉय' नीरज

» विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में पाकिस्तान के अरशद से होगा मुकाबला

» पेरिस ओलंपिक में भी नीरज ने बनाई जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता के भारत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा एक बार फिर गोल्ड मेडल को अपने नाम करने की तैयारी में हैं। दरअसल, नीरज ने कल एक ही थ्रो में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसके साथ ही नीरज ने इस थ्रो के जरिए पेरिस ओलंपिक का टिकट भी हासिल कर लिया है। नीरज ने अपनी पहली ही थ्रो में 88.77 मीटर भाला फेंका। यह सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

88.77 मी. नीरज ने अपनी पहली ही थ्रो में फेंका भाला

नीरज फाइनल में पहुंचने वाले 12 थ्रोअरों में शीर्ष पर रहे। फाइनल में पहुंचने के लिए स्वत: क्वालिफिकेशन मानक 83 मीटर रखा गया था, जबकि 85.50 मीटर पेरिस ओलंपिक का क्वालिफाइंग मानक था। नीरज ने दोनों ही लक्ष्य एक ही थ्रो में पार कर लिए।

फाइनल में सामने होंगे पाक के अरशद

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 90 मीटर से अधिक दूरी भाला फेंककर स्वर्ण जीतने वाले अरशद ने इस सत्र में किसी बड़ी इवेंट में शिरकत नहीं की, लेकिन यहां उन्होंने 70.63 मीटर की थ्रो से शुरुआत की, लेकिन अंत में उन्होंने 86.79 मीटर की बड़ी थ्रो लगाकर फाइनल में प्रवेश किया। यह नीरज के बाद सर्वश्रेष्ठ थ्रो थी। फाइनल में 27 अगस्त को नीरज और अरशद के बीच रोचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

ईवीएम को हैक करके चुनाव जीतती है भाजपा : सामना

शिवसेना के मुखपत्र में बीजेपी पर चुनाव में धांधली के लगे आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अपने मुखपत्र सामना में भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला है। सामना के संपादकीय में लिखा गया है कि भाजपा ईवीएम हैक करके चुनाव जीतती है। इसके साथ ही चुनाव आयोग को भी निशाने पर लिया है और कहा कि चुनाव आयोग से अब कोई अपेक्षा नहीं की जा सकती। सत्ता पक्ष ने ईवीएम के साथ ही चुनाव आयोग को भी हैक कर रखा है।

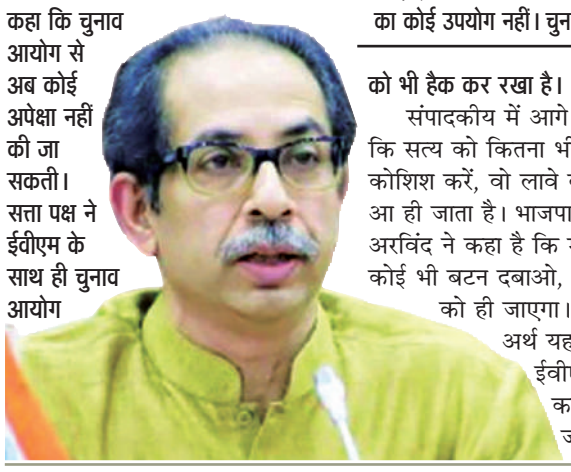

संपादकीय में आगे लिखा गया है कि सत्य को कितना भी दबाने की कोशिश करें, वो लावे की तरह बाहर आ ही जाता है। भाजपा सांसद डी अरविंद ने कहा है कि मतदाताओं तुम कोई भी बटन दबाओ, वोट बीजेपी को ही जाएगा। इसका सीधा अर्थ यह है कि भाजपा ईवीएम हैक करके चुनाव जीतती है।

कई देशों ने ईवीएम का इस्तेमाल किया बंद

सामना ने लिखा कि अमेरिका, यूरोप, जापान, जर्मनी, बांग्लादेश, फ्रांस जैसे देशों ने ईवीएम को हटा दिया, लेकिन जनता का विश्वास खो चुकी मोदी सरकार ने अविश्वसनीय ईवीएम का इस्तेमाल जारी रखा। दावा किया कि बीजेपी ईवीएम का इस्तेमाल केवल लोकसभा चुनाव में करती है। अखबार लिखता है कि मोदी-शाह को राज्यों की सत्ता में इंटरेस्ट नहीं है। ईवीएम घोटाला सिर्फ लोकसभा चुनाव जीतने के लिए ही एकमात्र सूत्र बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि ईवीएम में दिए गए वोट पर मतदाताओं का संदेह लोकतंत्र की हार है। हमने जिसे वोट दिया और वह प्रत्याशी को मिला या नहीं, इस संदेह का निराकरण चुनाव आयोग नहीं कर सकता है, तो इन भाजपाई बड़बोली कठपुतलियों का कोई उपयोग नहीं। चुनाव आयोग को बीजेपी कार्यालय में रूपांतरित करना ही सही होगा।

चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं रहा

सामना में चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए लिखा गया कि चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं रहा। बीजेपी की केंद्र सरकार का काम करनेवाला ही बन चुका है। चुनाव आयोग में 'गुजरात मॉडल' के अधिकारियों को लाकर उनसे मनचाहे अच्छे-बुरे काम करवाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र में जिस तरह से शिवसेना व धनुष-बाण चिह्न शिंदे गुट के हाथ में दिए गए, इस मनमानी पर मुहर लग चुकी है। सामना आगे लिखता है कि आज भाजपा ईवीएम प्रेम दिखा रही है, लेकिन ईवीएम में गोलमाल किया जा सकता है कि इसका सबूत बीजेपी ने दिया था। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी तो ईवीएम घोटाले पर ग्रंथ लिखकर इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक गए थे।

ट्रेन के प्राइवेट कोच में लगी आग, 10 लोगों की मौत

» तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन के पास हुआ हादसा

» तीर्थ यात्रा के लिए 17 अगस्त को लखनऊ से चला था कोच, मरने वाले सभी यात्री उत्तर प्रदेश के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन के पास भयावह हादसा हुआ है। रेलवे स्टेशन के पास खड़ी एक ट्रेन के डिब्बे में आग लग गई, जिसमें 10 यात्रियों की मौत हो गई है। वहीं, 20 यात्री घायल हुए हैं। इस दर्दनाक घटना के सामने आने के बाद दक्षिण रेलवे ने मृतकों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा भी कर दी है। दक्षिणी रेलवे ने अवैध रूप से ले जाए गए गैस सिलेंडर को हादसे की वजह बताया है। मरने वाले सभी यात्री उत्तर प्रदेश के हैं, जो धार्मिक यात्रा पर निकले थे। जानकारी के अनुसार, जिस कोच में आग लगी वो एक 'प्राइवेट पार्टी कोच' था, जो 17 अगस्त को उत्तर प्रदेश के लखनऊ से चला था।

दक्षिण रेलवे के बयान के अनुसार, 17 अगस्त को लखनऊ से चले एक प्राइवेट पार्टी कोच को 25 अगस्त को नागरकोली जंक्शन पर पुनलूर-मदुरै एक्सप्रेस में जोड़ा गया था और आज 26 अगस्त सुबह मदुरै स्टेशन पर पहुंचा। पार्टी कोच को ट्रेन से अलग करके मदुरै स्टैबलिंग लाइन पर खड़ा किया गया था, जहां सुबह 5.15 बजे इसमें आग लग गई।

बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने जताया दुख

पार्टी कोच को रविवार को चेन्नई लौटना था, जहां से इसे वापस लखनऊ जाना था। रेलवे के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति आईआरसीटीसी पोर्टल का इस्तेमाल करके पार्टी कोच बुक कर सकता है। इसका इस्तेमाल केवल यात्रा के लिए किया जा सकता है और इसमें आग लगने वाले सामान लेकर चलने की मनाही होती है। हादसे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पूर्व रेल मंत्री ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि रेलवे में एक और भयावह घटना, इस बार मदुरै (तमिलनाडु) में हुई, जिसमें एक ट्रेन में भीषण आग लग गई और कम से कम 9 आश्चर्यजनक और दुखद मौतें हुईं और कम से कम 20 गंभीर रूप से घायल हुए! मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के लिए प्रार्थना करती हूं। ममता बनर्जी ने आगे लिखा, उम्मीद करती हूं कि जांच कर जल्द ही जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। क्या मैं रेलवे अधिकारियों से सुरक्षा और मानव जीवन के प्रति अधिक सतर्क और कम संवेदनहीन होने का आग्रह कर सकती हूं?

अवैध रूप से कोच में ले गये थे गैस सिलेंडर

दक्षिण रेलवे के मुताबिक, कोच के अंदर अवैध रूप से गैस सिलिंडर रखा हुआ था, जिसकी वजह से आग लगी। मदुरै की जिला कलेक्टर संगीता ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार सुबह मदुरै स्टेशन पर खड़े एक कोच में आग लग गई। कोच में उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु यात्रा कर रहे थे। जिला कलेक्टर ने आगे कहा कि शनिवार सुबह जब उन्होंने कॉफी बनाने के लिए गैस जलाई, उसी समय सिलिंडर में ब्लास्ट हो गया और आग लग गई। 55 लोगों को कोच से निकाला गया। अभी तक 9 शव बरामद किए गए हैं। दक्षिण रेलवे के आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्राइवेट पार्टी कोच में सवार यात्रियों ने अवैध रूप से सिलिंडर रखा था, जो आग लगने की वजह बना। कई यात्री आग लगने का पता चलते ही ट्रेन से नीचे उतर गए थे। बयान में कहा गया है कि किसी अन्य कोच को नुकसान नहीं पहुंचा है।

मुंबई एक्सप्रेस में चार लोगों की हत्या के आरोपी का नहीं होगा नार्को टेस्ट

» अदालत ने कहा- चुप रहना उसका मौलिक अधिकार, जबरदस्ती नहीं कर सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई एक्सप्रेस में चार लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले आरपीएफ के सिपाही चेतन सिंह के नार्को टेस्ट कराने की मांग को अदालत ने खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष ने हत्यारोपी के ब्रेन मैपिंग और नार्को टेस्ट कराए जाने की मांग की थी। लेकिन अदालत ने ये कहते हुए मना कर दिया कि आरोपी ने ऐसे टेस्ट कराए जाने से मना किया है।

चुप रहना उसका मौलिक अधिका है, हम उसके साथ जबरदस्ती नहीं कर सकते हैं।

बता दें कि मारे गये लोगों के परिवारजनों की सहमति के बाद अभियोजन पक्ष ने अदालत से अपील की थी। इसमें कहा गया था कि आरोपी का नार्को टेस्ट, ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट कराए जाने को लेकर इजाजत दी जाए क्योंकि व्यक्ति का अपराध बहुत ही गंभीर श्रेणी का है। मामले को सुन रहे मजिस्ट्रेट ने कहा कि मुझे जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपी से जब पुलिस कस्टडी में नार्को टेस्ट किए जाने की बात पूछी गई तो वह इसके लिए राजी था लेकिन अदालत के सामने उसने ऐसा करने से मना कर दिया।

नूंह में 28 तक इंटरनेट सेवा बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले में एक बार फिर इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं। एहतियात के तौर पर प्रशासन की ओर से यह फैसला लिया गया है। दरअसल, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) द्वारा 28 अगस्त को दोबारा ब्रजमंडल यात्रा निकालने का एलान किया गया था।

हालांकि, प्रशासन की ओर से इसकी अनुमति नहीं मिल सकी। हाल ही में नूंह प्रशासन की ओर से यात्रा स्थगित करने की बात कही गई थी, लेकिन हिंदू संगठन दोबारा शोभा यात्रा निकालने पर अड़े हुए हैं। इसके चलते नूंह के डिप्टी कमिश्नर ने कल गृह विभाग को पत्र लिखकर नूंह में इंटरनेट सेवा और बल्क मैसेज बंद करने की सिफारिश की थी, जिसके बाद आज हरियाणा के होम सेक्रेटरी द्वारा 26 अगस्त से 28 अगस्त तक इंटरनेट सेवा बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं।

पंजाब में कानून-व्यवस्था नियंत्रण में : मान

» सीएम भगवंत का गवर्नर पर पलटवार भाजपा का पक्ष लेने का लगाया आरोप

» राज्यपाल से कहा- राजस्थान जाकर बन जाएं बीजेपी के सीएम फेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। आज सीएम भगवंत मान ने राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित पर पलटवार करते हुए कहा कि यह कोई नई बात नहीं है कि राज्यपाल मुझे पत्र लिखें और ऐसी भाषा का प्रयोग करें। हम इसे देखते रहे हैं। लेकिन कल गवर्नर ने पंजाबियों को क्या धमकी दी? उस वर्तमान नियम की अनुशंसा अनुच्छेद 356 के अंतर्गत की जायेगी। मैं उस पर जवाब देना चाहता हूं।

सीएम ने कहा कि आपने दो चीजों के बारे में बात की है। पहला कानून व्यवस्था, मैं बताना चाहता हूं कि जब से हमारी सरकार ने 23,518 ड्रग तस्करों को, 1,627 किलोग्राम से अधिक हेरोइन पकड़ी है। इसके साथ ही 13 l29 करोड़ ड्रग मनी और 66 ड्रग तस्करों की संपत्तियां कुर्क की गई हैं। अभी 23 अगस्त को ही 41 किलो हेरोइन पकड़ी गई है। आपको बता दूं कि पंजाब में कानून-व्यवस्था नियंत्रण में है। मैं राज्यपाल को याद दिलाना चाहता हूं कि क्या हरियाणा के राज्यपाल ने नूंह को लेकर हरियाणा के सीएम को कोई नोटिस दिया है। सिर्फ इसलिए क्योंकि हरियाणा केंद्र की तरह बीजेपी की सरकार है।

पंजाबियों की परीक्षा न लें गवर्नर

भगवंत मान ने कहा कि आप सिर्फ यूटी यानी बीजेपी का पक्ष ले रहे हैं। मैं गवर्नर साहब से कहना चाहता हूं कि राजस्थान जाएं और बीजेपी के लिए सीएम चेहरा बनें और जो शक्ति आप चाहते हैं वह हासिल करें। सीएम ने आगे कि गवर्नर साहब पंजाबियों की भावनाओं की परीक्षा न लें। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आप हमें धमकी दे रहे हैं कि अगर हमने पत्रों का जवाब नहीं दिया तो आप हमारी सरकार को भंग कर देंगे। कहां से ऑर्डर ले रहे हैं। गवर्नर साहब हमारे धैर्य की परीक्षा न लें। आपके पत्रों में सत्ता की भूख होने का संकेत मिलता है। यह सिर्फ बीजेपी का एजेंडा है। जब बात पंजाब की आएगी तो मैं कोई समझौता नहीं करूंगा।

पंजाब के हितों की बात नहीं करते राज्यपाल

क्या आपने मणिपुर के संबंध में कोई बयान दिया है? क्या मणिपुर में संविधान लागू नहीं होता है? यूपी में क्या हो रहा है। क्या यूपी के राज्यपाल सीएम को पत्र लिखने की तारीख दे सकते हैं? सीएम मान ने कहा कि राज्यपाल ने 16 पत्र लिखे हैं और हमने 9 पत्रों का जवाब दिया है। मैं राज्यपाल से पूछना चाहता हूं कि आपके यहां पिछले डेढ़ साल से कुल छह विधेयक लंबित हैं आपने अभी तक उन पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। हम एक चुनी हुई सरकार हैं, लोगों ने हमें वोट दिया है। आप हमारे बिल रोक रहे हैं। मैं राज्यपाल से पूछना चाहता हूं कि क्या आपने कभी केंद्र के पास लंबित किसानों के मुद्दों के बारे में लिखा है? आप मुझे ऐसे मुद्दों पर कभी नहीं लिखते हैं। क्योंकि पंजाब के राज्यपाल पंजाब के हितों की बात नहीं करते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।